

“बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (बिना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमत. क्रमांक जी. 2-22-छत्तीसगढ़ गजट/38 सि. से. भिलाई, दिनांक 30-5-2001.”



पंजीयन क्रमांक “छत्तीसगढ़/दुर्गा/  
तक. 114-009/2003/20-1-03.”

# छत्तीसगढ़ राजपत्र

( असाधारण )

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 204.]

रायपुर, मंगलवार, दिनांक 1 अगस्त 2006—श्रावण 10, शक 1928

छत्तीसगढ़ विधान सभा सचिवालय

रायपुर, दिनांक 1 अगस्त, 2006 (श्रावण 10, 1928)

क्रमांक-9469/विधान/2006.—छत्तीसगढ़ विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमावली के नियम 64 के उपबन्धों के पालन में पंडित सुंदरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ (संशोधन) विधेयक, 2006 (क्रमांक 14 सन् 2006), जो दिनांक 1 अगस्त, 2006 को पुरःस्थापित हुआ है, को जनसाधारण की सूचना के लिये प्रकाशित किया जाता है.

देवेन्द्र वर्मा

सचिव,

छत्तीसगढ़ विधान सभा.

## छत्तीसगढ़ विधेयक

(क्रमांक 14 सन् 2006)

**पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ (संशोधन)  
विधेयक, 2006**

पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ अधिनियम, 2004 (क्रमांक 26 सन् 2004) में संशोधन हेतु विधेयक.

भारत गणराज्य के सत्तावनवें वर्ष में छत्तीसगढ़ विधान-मंडल द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो :-

- संक्षिप्त नाम तथा प्रारंभ. 1. (1) इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ (संशोधन) अधिनियम, 2006 है.
- (2) इसका विस्तार संपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य पर होगा.
- (3) यह राजपत्र में इसके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होगा.
- परिभाषा. 2. इस अधिनियम में जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, =
- (एक) "मूल अधिनियम" से अभिप्रेत है, पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ अधिनियम, 2004 (क्रमांक 26 सन् 2004).
- धारा -9 का संशोधन. 3. मूल अधिनियम की धारा-9 की उपधारा (8) में शब्द "दो" के स्थान पर शब्द "पांच" प्रतिस्थापित किया जाये.

**उद्देश्य एवं कारण.**

पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ माह अप्रैल, 2005 में स्थापित हुआ है. अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (8) के प्रावधानों के अनुसार राज्य शासन द्वारा नियुक्त कुलपति की कार्य अवधि दो वर्ष है. राज्य शासन द्वारा नियुक्त कुलपति का कार्य विश्वविद्यालय का कार्यशील बनाना है, पर अल्प अवधि में विश्वविद्यालय को कार्यशील बनाना कठिन है. परिस्थिति पर विचार कर राज्य शासन द्वारा पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ अधिनियम, 2004 (क्रमांक 26 सन् 2004) में संशोधन करने का निर्णय लिया गया है.

अतः यह विधेयक प्रस्तुत है.

रायपुर  
दिनांक - 27 जुलाई, 2006

अजय चन्द्राकर  
उच्च शिक्षा मंत्री  
(भारतसंघ के सदस्य)

## उपाबंध

पं. सुन्दरलाल शर्मा ( मुक्त ) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ अधिनियम, 2004 ( क्रमांक 26 सन् 2004 ) की धारा 9 की उपधारा ( 8 ) का सुसंगत उद्धरण

\* \* \* \* \*

धारा - 9 ( 8 ) राज्य शासन एक शिक्षाविद् की नियुक्ति, नवगठित विश्वविद्यालय के कुलपति के पद पर करेगा जो दो वर्ष से अधिक अवधि की नहीं होगी तथा ऐसा नियुक्त व्यक्ति विश्वविद्यालय की स्थापना की तारीख के छः माह के भीतर कार्यपरिषद्, विद्यापरिषद् तथा विश्वविद्यालय के अन्य प्राधिकारियों का गठन करे और उक्त प्राधिकारियों का गठन होने तक कुलपति, यथास्थिति, कार्यपरिषद्, विद्यापरिषद् या ऐसा अन्य प्राधिकारी समझा जाएगा और इस अधिनियम द्वारा या उसके अधीन ऐसे प्राधिकारियों को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग तथा उन पर अधिरोपित कर्तव्यों का पालन करेगा।

परन्तु कुलाधिपति, यदि वह ऐसा करना आवश्यक या समीचीन समझता है तो वह राज्य सरकार से परामर्श करने के पश्चात् तीन सदस्यीय समिति नियुक्त करेगा जिसमें एक शिक्षाविद्, एक प्रशासनिक विशेषज्ञ तथा वित्तीय विशेषज्ञ होगा, कुलपति को उसकी शक्तियों का प्रयोग करने में तथा कृत्त्यों का पालन करने में सहायता एवं सलाह देगी।

\* \* \* \* \*

देवेन्द्र वैष्णो  
सचिव,  
छत्तीसगढ़ विधान सभा.

